an>

Title: Need to set up a C.G.H.S. Dispensary in Jodhpur, Rajasthan.

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (जोधपुर) : सभापति महोदय, चिकित्सा की सुविधाओं की क़ीमत पूरे विश्व भर में और उसी प्रकार भारत में भी बढ़ती जा रही है। भारत सरकार ने अपने कर्मचारियों को सुविधा प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार चिकित्सा योजना (सी.जी.एच.एस.) वर्ष 1954 में प्रारम्भ की। दिल्ली से प्रारम्भ हुई इस योजना में भारत भर में 254 एलोपैथिक और लगभग 500 अलग-अलग विधाओं के केन्द्र चलते हैं। राजस्थान के जयपुर में इस तरह के छः केन्द्र हैं और लगभग 32 हॉस्पीटल इस सुविधा से इम्पैनेल्ड हैं।

महोदय, मैं जोधपुर से आता हूं और जोधपुर पूरे पश्चिमी राजस्थान का सिंहद्वार है, पूरे थार के मरुस्थल का सिंहद्वार है। वर्तमान में जोधपुर में भारत सरकार की जो आर्म्ड फोर्सेज़ हैं, उसकी चार विंग्स - बी.एस.एफ., सी.आर.पी.एफ., सी.आई.एस.एफ. और आई.टी.बी.पी. - इन चारों की तैनाती है। केन्द्र सरकार के ए.एफ.आर.आई., सी.ए.ज़ेड.आर.आई., सी.बी.आई., आई.बी., पी. एण्ड टी., इन्कम टैक्स और कई सारे महक़मे जैसे सी.पी.डब्ल्यू.डी., सर्वे ऑफ इंडिया के अलावा बहुत सारे महक़मे के हजारों कार्यरत लोग या उन से सेवा निवृत्त होकर वहां निवास करते हैं। लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस योजना के शुरू होने के 60 सालों के बाद भी आज जोधपुर में, जो कि पूरे पश्चिमी राजस्थान का केन्द्र है, सी.जी.एच.एस. का एक भी वेलनेस सेंटर नहीं है।

महोदय, इस कारण हमारे यहां के लोगों को इतनी तक़लीफ है कि उन्हें दो सौ रुपये की दवा लेने के लिए 350 किलो मीटर जाना पड़ता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह आग्रह करता हूं कि जोधपुर में शीघ्र वेलनेस सेंटर खोले जाएं। जब तक वे नहीं खोले जाते, तब तक टेम्पोरेरी अरेंजमेंट के रूप में जयपुर से दो सेंटर्स जोधपुर में स्थानांतरित किए जाएं ताकि लोगों को शीघ्र इसकी सुविधा मिल सके।